Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 19 Issue 01, January- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

हाईस्कूल स्तर पर शिक्षणरत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता का तुलनात्मक अध्ययन

संतोष यादव

शोधार्थी, शिक्षा विभाग,

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय, अम्बेडकर नगर (महू)

डॉ. भारती भट्ट

प्रवक्ता, स्वामी विवेकानंद षिक्षा महाविद्यालय, सेंधवा, जिला बड़बानी (म.प्र.)

प्रस्तुत शोध पत्र में हाईस्कूल स्तर पर षिक्षा प्राप्त कर रहीं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। इस अनुसंधान कार्य में न्यादर्श के रूप में अनुसूचित जाति की 75 व अनुसूचित जनजाति की 75 छात्राओं का चयन करके उन पर डॉ विवेक भार्गव एवं राजश्री भार्गव की 'कैरियर प्राथमिकता रिकार्ड' मापनी का प्रशासन किया गया तथा प्राप्त समकों के आधार पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग की छात्राओं की विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर प्राथमिकता का अध्ययन किया गया। प्राप्त परिणामों के अनुसार हाईस्कूल में षिक्षा प्राप्त कर रहीं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, रक्षा, कानून व व्यवस्था, शिक्षा क्षेत्रों की पसंद में सार्थक अंतर पाया गया जबकि कैरियर प्राथमिकता के कला व प्रारूप, विज्ञान व तकनीकी, कृषि, वाणिज्य व प्रबंध, चिकित्सा, पर्यटन व सत्कार उद्योग क्षेत्रों की पसंद में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

मुख्य शब्द : हाईस्कूल स्तर, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, कैरियर प्राथमिकता

भारत में प्राचीन काल से ही शिक्षा तथा ज्ञान के महत्व को बहुत ज्यादा उपयोगी समझा गया है। भारतीय ऋषि–मुनी अविद्या एवं अशिक्षा को मृत्यु के समान मानते हैं। यही नहीं यह भी कहा गया कि 'ज्ञानम् तृतीयम् मनुजस्य नेत्रम्', वैदिक कालोन समय से शिक्षा को वह प्रकाश माना गया है, जो कि जीवन

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 19 Issue 01, January- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

के प्रत्येक क्षेत्र को प्रकाशित रखता है। इसलिए शिक्षा को तीसरा नेत्र कहा गया है। शिक्षा ही वह प्रक्रिया है, जो मनुष्य को अधिक बेहतर मनुष्य बनाती है और इस दुनिया को और ज्यादा बेहतर दुनिया बनाने का संकल्प और कौशल देती है। शिक्षा मनुष्य के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है। शिक्षा से ही व्यक्ति में आत्मनिर्भरता, ऊर्जा और अपने अस्तित्व का सही एहसास होता है।

आज मानव का जीवन एक रेस की तरह है, इसम वही घोड़ा जीतता है, जिसकी लगाम एक कुशल, निपुण और अनुभवी जॉकी के हाथों में होती है। जिस देश में जितने ज्यादा स्किल्ड लोग होंगे, वह देश उतनी ही तेजी से तरक्की करता है। इसी कारण से आज के समय में विद्यार्थियों की उच्च शैक्षिक उपलब्धि एवं सही कैरियर का चयन पर उनका पूरा भविष्य निर्भर है। अतः प्रत्येक विद्यालय इन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अनेक कार्य करते हैं। इन कार्यों में पठन–पाठन के अलावा विभिन्न प्रकार के कौषलों का विकास, विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों का सम्मान एवं अंतरराष्ट्रीय महत्त्व वाली भाषाओं का ज्ञान मुख्य रूप से षामिल है। विद्यालय व समाज इन कार्यों को तब तक पूर्ण नहीं कर सकता, जब इसके लिए परिवार अपना सहयोग प्रदान नहीं करेंगे। शैक्षिक विकास की दृष्टि से इस आधुनिक युग की आवश्यकता के अनुसार बच्चों की शिक्षा में परिवार का क्या योगदान है? क्या सभी परिवार अपने बच्चों की शिक्षा में अच्छा सहयोग देने में सफल हैं? परिवारों की शैक्षणिक योग्यता का प्रभाव छात्राओं के शैक्षिक विकास पर किस प्रकार एवं कितना पड़ता है? यह जानना अति आवष्यक है।

आज का युग प्रतिस्पर्धा वाला युग है। बाल्यकाल से ही अभिभावक बच्चों के कैरियर के प्रति चिन्तित रहने लगे हैं। ऐसे में परिवार का भी बच्चों के शैक्षिक विकास पर प्रभाव पड़ता है। परिवार अपने आप में एक अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र है जिसमें बच्चा समाज में निर्दिष्ट मूल्यों एवं व्यवहारों का अवलोकन करता है और माता–पिता तथा विद्यालय उसका वह घर होता है जो जीवन पर्यन्त उसका पथप्रदर्शन करते हुए उसे प्रगति की ओर ले जाता है। परिवार में शिक्षा–प्रशिक्षण के साथ–साथ अनुदेशन प्रक्रिया भी चलती है। अतः परिवार के सामाजिक, आर्थिक तथा शैक्षिक स्थिति का उनके मन पर विशेष प्रभाव पड़ता है। हमारे समाज में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अधिकतर लोगों को अभी भी समाज में षैक्षिक, सामाजिक व आर्थिक रूप से बहुत अधिक उच्च स्थान नहों मिल पाया है, दोनों ही वर्गों को स्थिति लगभग समान है। अतः यह जानना आवष्यक है कि इन वर्गों की छात्राओं की कैरियर रूचि किस क्षेत्र में है तथा उनकी रूचि एक समान हैं या उनमें भिन्नता है, यही जानना इस अध्ययन का मुख्य उददेष्य है। इसो कारण से शोधार्थी द्वारा अपने शोध अध्ययन में हाईस्कूल स्तर पर षिक्षा प्राप्त कर रहीं अनुसूचित जाति एवं

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 19 Issue 01, January- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

अनुसूचित जनजाति की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता का तुलनात्मक अध्ययन करने हेतु इस शोध की आवश्यकता महसूस करते हुए इस अनुसंधान समस्या का चयन किया गया।

प्रस्तुत अनुसंधान से संबंधित कुछ शोध कार्य पूर्व में भी किये गये हैं जैसे – **त्रिवेदी, दिव्या (2009)** ने अपने अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि शिक्षित परिवारों के लड़के–लड़कियों की व्यवसायिक रूचियां लगभग समान पाई गई। निम्न आर्थिक स्तर वाले परिवारों में लड़कों की स्थिति लड़कियों से अधिक उच्च पाइ गई। **नदीम एवं अहमद (2016)** ने अपने अध्ययन में पाया कि उच्चतर माध्यामिक स्तर की छात्राओं की सर्वाधिक पसंद शिक्षा, 'विज्ञान एवं तकनीकि', 'चिकित्सा' तथा 'कला एवं प्रारूप' क्षेत्र में पाई गई। **मण्डल एवं मिस्त्री (2017)** के अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि हाईस्कूल स्तर की छात्राओं की व्यावसायिक रूचि क्रमषः कला संबंधी, वैज्ञानिक, प्रशासनिक, सामाजिक, प्रभुत्वषाली, गृह संबंधी, वाणिज्यिक, कृषि, निर्माण संबंधी क्षेत्र में पाई गई जबकि किसी भी छात्रा की रूचि साहित्यिक क्षेत्र में नहीं पाई गई। **अख्तर एवं अन्य (2018)** के अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि माध्यमिक स्तर की छात्राओं की कैरियर के विभिन्न क्षेत्रों में रूचि क्रमशः 'चिकित्सक', 'पुलिस', 'इंजीनियर', 'नर्स', 'षिक्षक', 'बैंकर', 'सेना अधिकारी', 'पत्रकार', 'षासकीय सेवा', 'वकालत' एवं 'व्यापार' क्षेत्र में प्रदर्षित की। **पाठक, तराली (2018)** के अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि स्नातक स्तर की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों में रूचि का क्रम क्रमशः इस प्रकार रहा– 'शिक्षा', 'कला एवं प्रारूप', 'कानून एवं व्यवस्था', 'वाणिज्य एवं प्रबंध', 'जनसंचार एवं पत्रकारिता', 'विज्ञान एवं तकनीकी', 'चिकित्सा', 'पर्यटन एवं सत्कार उद्योग', 'रक्षा', 'कृषि'। **कुमारी शिपु (2018)** के अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों की कैरियर प्राथमिकता में अंतर पाया गया। अनुसुचित जाति के छात्रों ने विज्ञान एवं तकनीकी, चिकित्सा, शिक्षा क्षेत्रों में सर्वाधिक रुचि प्रदर्शित की जबकि पर्यटन एवं सत्कार प्रबंध, जनसंचार एवं पत्रकारिता और कृषि क्षेत्र में अपनी सबसे कम रूचि प्रदर्शित की। अनुसूचित जनजाति के छात्रों ने चिकित्सा, विज्ञान व तकनीकी, शिक्षा क्षेत्रों में अपनी सर्वाधिक रुचि प्रदर्शित की जबकि पर्यटन एवं सत्कार प्रबंध, वाणिज्य एवं प्रबंध, कृषि क्षेत्र में अपनी सबसे कम रूचि प्रदर्शित की। **नजर एवं युसुफ (2019)** के अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि विद्यार्थियों के कैरियर चयन पर विभिन्न प्रकार के कारकों का प्रभाव पड़ता है पर उनमें वातावरण, व्यक्तित्व और आगामी समय में मिलने वाले अवसर अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि, अभिवृत्ति भी उनके कैरियर चुनाव पर प्रभाव डालते हैं। **जेद्दाह, बी. क्विनों (2022)** के अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि विद्यार्थियों की कैरियर प्राथमिकता

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 19 Issue 01, January- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक व्यक्तिगत रुचि, पारिवारिक प्रभाव, मित्र समूह का प्रभाव, रोजगार की सम्भावना, आर्थिक स्थिति पाए गए।

उद्देश्य :–

हाईस्कूल स्तर पर षिक्षा प्राप्त कर रहीं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना :–

हाईस्कूल स्तर पर षिक्षा प्राप्त कर रहीं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों की पसंद में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

उपकरण :–

डॉ विवेक भार्गव एवं राजश्री भार्गव की कैरियर प्राथमिकता रिकार्ड (C.P.R.)

विधि :–

पस्तुत शोध में होषंगाबाद (नर्मदापुरम) जिले के केसला ब्लॉक मे स्थित हाईस्कूलों की कक्षा दसवीं में षिक्षा प्राप्त कर रहीं अनुसूचित जाति की 75 व अनुसूचित जनजाति की 75 छात्राओं का चयन उद्देष्यपूर्ण न्यादर्श विधि द्वारा करके उन पर 'कैरियर प्राथमिकता रिकार्ड' का प्रशासन किया गया तथा संकलित समंको से मास्टर शीट तैयार की गई। मध्यमान, मानक विचलन और क्रांतिक अनुपात परीक्षण की सहायता से संकलित आँकड़ों का विश्लेषण किया गया तथा निष्कर्ष ज्ञात किये गये।

परिणामों का विश्लेषण :–

परिकल्पना : हाईस्कूल स्तर पर षिक्षा प्राप्त कर रहीं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों की पसंद में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 19 Issue 01, January- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

तालिका

हाईस्कूल स्तर पर शिक्षा प्राप्त कर रहीं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता संबंधी तुलनात्मक परिणाम

कैरियर प्राथमिकता के क्षेत्र	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात मान	सार्थकता स्तर
दूरसंचार व पत्रकारिता	अनुसूचित जाति	75	11.76	3.60	5.26	0.01 स्तर पर सार्थक
	अनुसूचित जनजाति	75	8.85	3.15		
कला व प्रारूप	अनुसूचित जाति	75	7.67	3.92	1.28	0.05 स्तर पर असार्थक
	अनुसूचित जनजाति	75	6.91	3.32		
विज्ञान व तकनीकी	अनुसूचित जाति	75	13.89	3.75	0.70	0.05 स्तर पर असार्थक
	अनुसूचित जनजाति	75	14.35	4.22		
कृषि	अनुसूचित जाति	75	6.16	3.20	1.71	0.05 स्तर पर असार्थक
	अनुसूचित जनजाति	75	7.13	3.75		
वाणिज्य व प्रबंध	अनुसूचित जाति	75	9.85	3.42	1.37	0.05 स्तर पर असार्थक
	अनुसूचित जनजाति	75	10.64	3.60		
चिकित्सा	अनुसूचित जाति	75	13.91	3.79	0.20	0.05 स्तर पर असार्थक
	अनुसूचित जनजाति	75	14.04	4.22		
रक्षा	अनुसूचित जाति	75	7.93	3.08	2.71	0.01 स्तर पर सार्थक
	अनुसूचित जनजाति	75	9.41	3.59		
पर्यटन व सत्कार उद्योग	अनुसूचित जाति	75	7.57	3.30	1.19	0.05 स्तर पर असार्थक
	अनुसूचित जनजाति	75	6.91	3.57		
कानून व व्यवस्था	अनुसूचित जाति	75	11.55	3.82	2.20	0.05 स्तर पर सार्थक
	अनुसूचित जनजाति	75	12.99	4.20		
शिक्षा	अनुसूचित जाति	75	13.80	3.69	2.51	0.05 स्तर पर सार्थक
	अनुसूचित जनजाति	75	12.37	3.28		

स्वतंत्रता के अंश – 148

0.05 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 1.98
0.01 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 2.61

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है हाईस्कूल स्तर पर षिक्षा प्राप्त कर रहीं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के बीच में कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, रक्षा, कानून व व्यवस्था, शिक्षा क्षेत्रों के मध्यमानों में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर है, क्योंकि इनके लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात के मान क्रमशः 5.26, 2.71, 2.20, 2.51 स्वतंत्रता के अंश 148 पर सार्थकता के 0.01, 0.01, 0.05, 0.05 स्तर क लिये निधारित न्यूनतम मान क्रमषः 2.61, 2.61, 1.98, 1.98 से अधिक हैं जबकि कैरियर प्राथमिकता के कला व प्रारूप, विज्ञान व तकनीकी, कृषि, वाणिज्य व प्रबंध, चिकित्सा, पर्यटन व सत्कार उद्योग क्षेत्रों के मध्यमानों में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं है, क्योंकि इन क्षेत्रों के लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात के मान क्रमशः 1.28, 0.70, 1.71, 1.37, 0.20, 1.19 स्वतंत्रता के अंश 148 पर सार्थकता के 0.05 स्तर क लिये निर्धारित न्यूनतम मान 1.98 से कम हैं।

अतः उपरोक्त परिणामों के आधार पर निष्कर्षतः कहा जा सकता है हाईस्कूल स्तर पर षिक्षा प्राप्त कर रहीं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के बीच में कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, रक्षा, कानून व व्यवस्था, शिक्षा क्षेत्रों में सार्थक अंतर पाया गया तथा अनुसूचित जाति की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, शिक्षा क्षेत्रों में पसंद अनुसूचित जनजाति की छात्राओं की तुलना में उच्च पाई गयी जबकि अनुसूचित जनजाति की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता क रक्षा, कानून व व्यवस्था क्षेत्रों में पसंद अनुसूचित जाति की छात्राओं की तुलना में उच्च पाई गयी। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के बीच में कैरियर प्राथमिकता के कला व प्रारूप, विज्ञान व तकनीकी, कृषि, वाणिज्य व प्रबंध, चिकित्सा, पर्यटन व सत्कार उद्योग क्षत्रों की पसंद में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

अतः उपरोक्त परिणामों के परिप्रेक्ष्य में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, रक्षा, कानून व व्यवस्था, शिक्षा क्षेत्रों के लिए पूर्व निर्धारित परिकल्पना ''हाईस्कूल स्तर पर षिक्षा प्राप्त कर रहीं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के विभिन्न क्षेत्रों की पसंद में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा'' अस्वीकृत जबकि कैरियर प्राथमिकता के कला व प्रारूप, विज्ञान व तकनीकी, कृषि, वाणिज्य व प्रबंध, चिकित्सा, पर्यटन व सत्कार उद्योग क्षेत्रों के लिए उपरोक्त परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :–

हाईस्कूल स्तर पर षिक्षा प्राप्त कर रहीं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के बीच में कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, रक्षा, कानून व व्यवस्था, शिक्षा क्षेत्रों में सार्थक अंतर पाया गया तथा अनुसूचित जाति की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के दूरसंचार व पत्रकारिता, शिक्षा क्षेत्रों में पसंद अनुसूचित जनजाति की छात्राओं की तुलना में उच्च पाई गयी जबकि अनुसूचित जनजाति की छात्राओं की कैरियर प्राथमिकता के रक्षा, कानून व व्यवस्था क्षेत्रों में पसंद अनुसूचित जाति की छात्राओं की तुलना में उच्च पाई गयी। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के बीच में कैरियर प्राथमिकता के कला व प्रारूप, विज्ञान व तकनीकी, कृषि, वाणिज्य व प्रबंध, चिकित्सा, पर्यटन व सत्कार उद्योग क्षेत्रों की पसंद में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

// संदर्भ ग्रंथ सूची //

1. अग्रवाल, बी. बी. (1996) : **आधुनिक भारतीय शिक्षा और समस्यायें,** विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
2. भटनागर, आशा एवं गुप्ता, निर्मला (1999) : **गाइडेंस एण्ड काउंसलिंग – ए थ्योरिटिकल प्रसपैक्टिव,** विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण
3. दवे, इंदु एवं फाटक, अरविंद (1994) : **निर्देशन के मूल तत्व,** राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
4. कैरियर मार्गदर्शिका (2007) : स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन, इंदौर
5. गुप्ता, एस. पी. (2005) : **सांख्कीय विधियां,** शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
6. मिश्रा, मंजु (2008) : **शैक्षिक तथा व्यावसायिक निर्देशन,** ओमेगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
7. ओबेराय, एस. सी. (2008) : **शैक्षिक तथा व्यावसायिक निर्देशन एवं परामर्श,** इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ
8. राय, अमरनाथ एवं अस्थाना, मधु (2003) : **निर्देशन एवं परामर्शन,** मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली
9. **त्रिवेदी, दिव्या (2009)** ''उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन'', *अप्रकाशित लघुशोध प्रबंध, षिक्षा संकाय, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)*
10. **Akter, Shahinur; Jabbar, Md. Abdul and Khatun. Taslima (2018)** "Factors Affecting career choice of the female secondary students in Khulna District of Bangladesh", *Khulna University Studies, Vol. 15 (1 & 2), 2018, Page No. 91-103*

11. Bhargava, Vivek and Bhargava, Rajshree (2001) : **Manual of Career Preference Record (CPR),** *Har Prasad Institute of Behaviourial studies, Agra.*

12. **Jeddah B. Quino (2022)** "Factors Influencing the Career Preference of Senior High School Students during Pandemic", *International Journal of Arts and Social Scienc, Volume 5, Issue 3, March 2022, Page No. 72-77*

13. **Kumari, Shipu (2018)** "Style of career preferences among scheduled cast boys and scheduled tribe boys", *GALAXY International Journal of Research in Social Sciences, Volume 8, Issue 6, June 2018, Page No. 841-851*

14. **Mondal, Rajib and Mistry, Pranati (2017)** "A Study of Vocational Interests of High School Student of Tribal area of Howrah District", *International Journal of Research Culture Society, Volume 1, Issue 9, November 2017, Page No. 225-237*

15. **Nadeem & Ahmed (2016)** " A comparative study career preference of male amd female higher secondary students", *International Joaurnal of Scientific Research and Education, Volume 4(2), 2016, Page No. 4973-4982*

16. **Najar, Irshad Ahmad and Yousuf, Masroofa (2019)** "Career Selection & its Various Determinants", *International Journal of Research and Analytical Reviews (IJRAR), Volume 06, Issue 1, January 2019, Page No. 61-64*

17. **Pathak, Tarali (2018)** "A Study on the Career Preferences of Under Graduate Learners of Distance Mode with Special Reference to Kkhsou Assam", *International Journal of Research in Humanities, Arts and Literatutr (IJRHAL), Vol. 6, Issue 8, Aug. 2018, Page No. 487-492*